

श्री मूलचन्द डागा : यह कैसे मालूम होता है कि यह अनाज या गल्ला किसानों का ही है और व्यापारियों का नहीं है, इसके लिए आप क्या तरीका अपनाते हैं जिससे असर्टेन करते हैं ?

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : इसीलिए इस वक्ता फंसला कर लिया है कि जहाँ तक गल्ला लिया जाय वह डायरेक्टली किसानों से लिया जाय मंडियों में या जहाँ किसान देते हैं उन जगहों से । इसी तरह से तीन एजेन्सीज, स्टेट की, को-आपरेटिभ्ज और एफ० सी० आई० काम कर रही हैं ।

श्री मूलचन्द डागा : क्या तरीका है आप के पास जांच करने का ? कौन सा क्राइटेरिया है, इसका जवाब नहीं दिया ।

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : लोकल कमेटीज के जरिये से यह मालूम किया जाता है ।

SHRI BIRENDER SINGH RAO : I understand from the reply of the hon. Minister that all the complaints received were looked into. I would like to know how many complaints were received and if all were inquired into and found false, what action was taken against the complainants. Secondly, I would like to know whether the complainants were given an opportunity to substantiate their charges at the time of inquiry.

SHRI F. A. AHMED : As far as my information goes, they were given opportunities for the purpose of proving their complaints, and after full inquiry it was ascertained that either the complaints were exaggerated or in some cases where the complaints were found correct, action has been taken.

SHRI BIRENDER SINGH RAO : The hon. Minister stated that the complaints were found false. I would like to know how many complaints were received, in total, and in how many complaints inquiry was ordered. He has not replied to that.

SHRI F. A. AHMED : I have not got the figures with me now.

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार ने 72 रु० और 76 रु० क्विंटल का भाव निश्चित किया, फिर क्या कारण है कि राजस्थान में एक भी किसान को 76 रु० का भाव नहीं दिया गया ? तो उस गेहूँ की किस्म कौन-सी है जिसका भाव 76 रु० प्रति क्विंटल दिया गया ?

अध्यक्ष महोदय : सवाल तो कम्प्लेंट्स के बारे में है, शिकायतें जो आयी हैं । आप बिल्कुल दूसरा ही सवाल कर रहे हैं ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : यही तो घोटाला है इसमें । इग तरह से किसानों को धोखा दिया जा रहा है ।

अध्यक्ष महोदय : उग शिकायतों में अगर आप की भी है तो बिल्कुल जायज है ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : मैं जानना चाहता हूँ कि 76 रु० का भाव कौन से गेहूँ का है, क्योंकि राजस्थान में एक भी किसान को वह भाव नहीं मिला ?

अध्यक्ष महोदय : वह गेहूँ अच्छा ही होगा ।

श्री जन्मूलाल चन्द्राकर : इस तरह की शिकायतें बहुत बड़े पैमाने पर हैं और जांच के परिणाम से मालूम होता है कि इस तरह की शिकायतें सही नहीं निकली तो क्या सरकार मोच रही है कि यह जाच खाद्य निगम के पास न छोड़ कर किमी दूधरे विभाग से करायी जाए ?

श्री फखरुद्दीन अली अहमद : जी नहीं, ऐसा कोई ख्याल नहीं है ।

कुत्ते के काटे की बीमारी का फैलना

*931. श्री राम रतन शर्मा : क्या स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 26 अप्रैल, 1972 के दैनिक 'हिन्दुस्तान' में कुत्ते काटे

की 'बीमारी फैलने का खतरा' शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिखाया गया है ;

(ख) क्या सम्पूर्ण देश में एन्टी रैबिक वैक्सीन कुत्ते काटे के इलाज के टीको की कमी है; और

(ग) यदि हा, तो इस कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रबन्ध किया जा रहा है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY
PLANNING (SHRI A. K. KISKU) (a)
Yes, Sir.

(b) No shortage of anti-rabic vaccine has been reported.

(c) Does not arise

श्री राम रतन शर्मा अध्यक्ष जी, कुत्ते के काटने में हाइड्रोफोबिया की बीमारी फैलती है और उससे देश में जन-घन की बड़ी हानि होती है। तो क्या मंत्री जी बतायेंगे कि 1971-72 में किस बीमारी से कितने लोग मरे ?

अध्यक्ष महोदय . सवाल आपने पूछा है कि

'Whether there is a shortage of anti-rabic vaccine.'

श्री राम रतन शर्मा : इसी से सम्बन्धित है कि इस वैक्सीन की शार्टेज से ही लोग मरे हैं। इन वैक्सीन के न होने से ही लोग मरे।

अध्यक्ष महोदय : फिगर्स पूछनी हो तो नोटिस जरूर दी जाय।

SHRI A K KISKU . It is not a fact that there is any shortage of anti-rabic vaccine in the country. In fact, our production of vaccine is much more than what is being utilised for treatment of hydrophobic patients

With regard to the specific question of figure of deaths that has been asked, I can quote only about Delhi. The figures of deaths in Delhi from rabic infection was 66 only in 1969-70 and 58 in 1970-71.

श्री राम रतन शर्मा मैं उत्तर प्रदेश के बारे में पटिकुलरली जानना चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदय : उनके पास तो दिल्ली के कुत्तों का था। जो कुत्ते दिल्ली में काटने हैं उनकी वजह में होती है। अब उत्तर प्रदेश में पता नहीं कितने हैं। आप बताइये यू० पी० के बारे में।

SHRI A K KISKU At present, I don't have the figure about UP

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जिन्हें काटा गया है वे सब दिल्ली में आ गये हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह राव : मैं यह पूछना चाहता हूँ कि जो वैक्सीन भारत में तैयार हो रही है क्या वह वैक्सीन उसकी अच्छी है जितनी कि आजकल लैटेस्ट वैक्सीन दुनिया में और जगह पैदा हो रही है, क्योंकि एन्टी रैबिड टीटमट सिर्फ इस वैक्सीन का प्रोफाटलेक्टिव है, और कोई इलाज नहीं है। क्या मिनिस्टर गान्त हमारी तसल्ली करायें कि जो वैक्सीन उनकी गेगेरैटरीज में इण्डिया में बन रही है वह लैटेस्ट टेक्नीक के मुताबिक है, और उनके जरूर जा रिगर्व दूसरे मुल्कों में हो रही है उसमें फायदा उठाया जा रहा है ? अगर यह वैक्सीन उसकी वाग्गर नहीं है जितनी और दूसरे मुल्कों में बनी हुई होनी है तो बाहर से वैक्सीन मगाने का यत्न क्यों नहीं किया जाता ?

निर्माण और आवास तथा स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री (श्री उमाशंकर दीक्षित) . अध्यक्ष महोदय, हमारे पास ऐसा कोई कारण इस तरह का अनुमान करने या परिणाम निकालने का नहीं है कि जो वैक्सीन हमारे पासचर इन्स्टिट्यूट्स में बननी है वह वाहक की किमी वैक्सीन से कम है या प्रभाव में घटकर है। मैं तो आशा करता हूँ कि हमारे इन्स्टिट्यूट्स में जो भी आधुनिक शोध और अनुसंधान के परिणाम होते हैं उनके अनुसार वह तैयार होती होगी। लेकिन यदि माननीय सदस्य ऐसा कोई उदाहरण बतलाये जिसमें कहा गया हो कि हमारी वैक्सीन किसी भी तरह औरों से घटकर है या कम प्रभाव वाली

है तो हम अवश्य उस पर विचार करेंगे और उचित कार्रवाई भी करेंगे।

अध्यक्ष महोदय : आप मिनिस्टर साहब को इस के बारे में बतला दीजिएगा।

श्री बीरेन्द्र सिंह राव : ऐपीकल्चर रिसर्च इन्स्टिट्यूट में एक साल बाद एक डाक्टर की डेथ हुई, अभी यहां ट्रीटमेंट लेने के बाद दिल्ली में चन्द महीने हुए एक नौजवान बच्चे की डेथ हो गई और पेरेंट्स ने कोर्ट बेस तक किया कि वैक्सीन ठीक नहीं थी। मैं उम्मीद करता हूँ कि यह चीजें मिनिस्टर साहब की जानकारी में जरूर होंगी और उनको हर बात का पता होगा।

अध्यक्ष महोदय : आप मिनिस्टर साहब को लिख कर दे दीजिए। पूरे मामले में इन्क्वायरी हो जायेगी।

SHRIMATI M. GODFREY : I would like to know from the Minister whether the vaccine is being supplied to all the hospitals in the country or to any special centres and special hospitals only ?

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT : We have completely decentralised the arrangements for supply and treatment. There are several institutes where it is produced and several centres could directly approach for the supply and it is supplied directly. There are centres like district h.q. hospitals, civil hospitals, panchayat dispensaries, municipal dispensaries, etc. There are various dispensaries in these places and in all these places orders or requests are sent to the institutes directly and they supply and it is seen that the supply is quite adequate. In fact, the supplies are enough for 4 lakhs of people.

DR. MAHIPATRAY MEHTA : Due to inadequate and inefficient refrigeration facilities plenty of the vaccines are getting inefficient and out of the effect. Have you any information on that ?

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT : I have no information like that because they are all kept under complete refrigerated conditions. They are usually kept under cold conditions. I will certainly find out the

facts if any particular case is pointed out to me.

SHRI P. GANGADEB : I would like to know whether anti-rabic vaccine produced in India sometimes gives adverse reaction and causes paralysis and if so, whether foreign vaccines will be imported.

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT : So, Sir, it is not proposed. We have no such information.

श्री राम सहाय पांडे : हाइड्रोफोविया कुत्ते के काटने से होती है। दिल्ली में कुत्ते पालने का रिवाज ज्यादा है। मैं जानना चाहता हूँ कि कुत्ता पालने के पहले कोई परीक्षा होती है या कोई इन्जेक्शन बगैरह दिया जाता है, क्योंकि प्रायः बड़े-बड़े लोग कुत्ते पालते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो स्टेट का काम है।

श्री उमाशंकर दीक्षित : हमारे यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।

Studies in cost of Production of Different Crops

*932. **SHRI P. NARASIMHA REDDY :** Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether arrangements have been made to conduct studies in the cost of production of different crops under different conditions ; and

(b) if not, whether Government will consider setting up suitable machinery in collaboration with the various Agricultural Universities to collect the data annually ?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI F. A. AHMED) : (a) Yes, Sir. The Government of India have initiated a Comprehensive Scheme for studying the Cost of Cultivation of Principal Crops in different States in the country. Sanctions for the implementation of the Scheme have already issued to the concerned agencies in 15 States. The implementation of the Scheme has been entrusted to non-official agencies, mostly agricultural universities, in different States.